UNIVERSITY OF MUMBAI
No.UG/407 of 2008

CIRCULAR :-

A reference is invited to the Ordinances, Regulations and Syllabi relating to the M.Phil. degree course in Hindi vide Pamphlet No.180 and to this office Circular No.UG/20 of 2008, dated 25th January, 2008 and the Head, University Department of Hindi and the Principals of the affiliated Colleges in Arts are hereby informed that the recommendation made by the Board of Studies in Hindi at its meeting held on 31st July, 2008 has been accepted by the Academic Council at its meeting held on 8th August, 2008 vide item No.4.33 and that, in accordance therewith, the syllabus for the M.Phil. degree course in Hindi has been revised as per Appendix and the same has been brought into force with effect from the academic year 2008-2009.

MUMBAI-400 032
4th September, 2008

PRIN. K. VENKATARAMANI
REGISTRAR

To,

The Head, University Department of Hindi and the Principals of the affiliated colleges in Arts.

AC/4.33/08.08.2008

****

No.UG/407-A of 2008, MUMBAI-400 032 4th September, 2008.

Copy forwarded with compliments for information to :-

1) The Deans of the Faculty of Arts,
2) The Chairman, Board of Studies in Hindi,
3) The Controller of Examinations,
4) The Co-ordinator, University Computerization Center.

(D.N. JADHAV)
ASSTT. REGISTRAR
(U.G./P.G. Section)

Copy to :-

The Director, Board of College and University Development, the Deputy Registrar (Eligibility and Migration Section), the Director of Students Welfare, the Executive Secretary to the Vice-Chancellor, the Personal Assistant to the Pro-Vice-Chancellor, the Registrar and the Assistant Registrar, Administrative sub-center, Ratnagiri for information .

The Controller of Examinations (10 copies), the Finance and Accounts Officer (2 copies), Record Section (5 copies), Publications Section (5 copies), the Deputy Registrar, Enrolment, Eligibility and Migration Section (3 copies), the Deputy Registrar, Statistical Unit (2 copies), the Deputy Registrar (Accounts Section),Vidyanagari (2 copies), the Deputy Registrar, Affiliation Section (2 copies), the Director, Institute of Distance Education.(10 copies) the Director University Computer Center (IDE Building), Vidyanagari, (2 copies) the Deputy Registrar (Special Cell), the Deputy Registrar,(PRO) . **the Assistant Registrar, Academic Authorities Unit (2 copies)and the Assistant Registrar, Executive Authorities Unit (2 copies). They are requested to treat this as action taken report on the concerned resolution adopted by the Academic Council referred to in the above Circular and that no separate Action Taken Report will be sent in this connection.** the Assistant Registrar Constituent Colleges Unit (2 copies), BUCT(1 copy), the Deputy Account, Unit V(1 copy), the In-charge Director, Centralize Computing Facility (1 copy), the Receptionist (1 copy), the Telephone Operator (1 copy), the Secretary MUASA (1 copy), the Superintendent, Post-Graduate Section (2 copies), the Superintendent, Thesis Section (2 copies) .

Nvb/UoM/040908

Scanned with OKEN Scanner

ENCLOSURE TO ITEM NO.4.33

08/08/08

UNIVERSITY OF MUMBAI

REVISED SYLLABUS

FOR

M.PHIL DEGREE COURSE

IN HINDI

(with effect from the academic year 2008-2009.)

Scanned with OKEN Scanner

UNVERSITY OF MUMBAI

M. Phil (Hindi.)

(2008-2009, 2009-2010, 2010-2011)

Scanned with OKEN Scanner

एम. फिल. हिन्दी

पाठ्यक्रम

प्रश्न पत्र : एक

अनुसंधान की प्रविधि और प्रक्रिया

क) अनुसंधान का स्वरुप एवं महत्व

निबंध, आलेख, प्रबंध-भेद,
शोध छात्र की योग्यता और उससे अपेक्षाएं
अनुसंधान और आलोचना
अनुसंधान एवं साहित्यिक अनुसंधान के प्रकार
१ वर्णनात्मक २ ऐतिहासिक ३ तुलनात्मक
साहित्येतर अनुसंधान
साहित्यिक एवं साहित्येतर अनुसंधान में साम्य-वैषम्य

ख) अनुसंधान की प्रक्रिया

शोध की समस्या
शोध विषय का चयन
शोध की रुपरेखा
सामग्री-संकलन एवं स्रोत
प्रकाशित-अप्रकाशित सामग्री
पुस्तकालय
कार्ड
संदर्भ-ग्रंथ
हस्तलेखों का संकलन और उपयोग
साक्षात्कार
प्रश्नावली
सामग्री का विवेचन-विश्लेषण

Scanned with OKEN Scanner

ग) शोध एवं शोध कार्य का विभाजन :-

१. साहित्यिक शोध की रुपरेखा

अध्याय विभाजन

शीर्षक का स्वरुप

भूमिका

मुख्यभाग

विश्लेषण

उपसंहार

सूची-संदर्भ

पाद-टिप्पणी

परिशिष्ट

टंकलेखन

वर्तनी-सुधार

छ) १ साहित्यिक अनुसंधान में ऐतिहासिक तथ्यों और पध्दतियों का उपयोग

२.साहित्यिक अनुसंधान में साहित्य शास्त्रीय, मनोवैज्ञानिक,सामाजिक और भाषा शास्त्रीय प्रविधियों और पध्दतियों का उपयोग.

३. हिन्दी अनुसंधान - कार्य की स्थिति एवं संभावना

४. शोध आलेख एवं सेमिनार, (२५ से ३०पृष्ठों में)

आदिकाल,मध्यकाल,आधुनिककाल -लोकसाहित्य, दलित साहित्य, स्त्री साहित्य, आदिवासी साहित्य, ग्राम्य, महानगरीय साहित्य, भाषा विज्ञान,काव्यशास्त्र इत्यादि पर शोध/आलेख तैयार करना एवं सेमिनार में प्रस्तुत करना होगा ।

(प्रश्न पत्र क्रमांक एक में अस्सी अंको की लिखित परीक्षा तथा बीस अंको का प्रकल्प तैयार करना होगा)

Scanned with OKEN Scanner

संदर्भ ग्रंथ

१. शोध-प्रविधि -डॉ. विनय मोहन शर्मा
२. अनुसंधान की प्रक्रिया -सं. डॉ. सावित्री सिन्हा तथा विजयेन्द्र स्नातक
३. अनुसंधान का विवेचन -डॉ.उदयभानु सिंह
४. अनुसंधान -डॉ.सत्येन्द्र
५. साहित्य, सिध्दांत और शोध -डॉ. आनंदप्रकाश दीक्षित
६. नवीन शोधविज्ञान -डॉ. तिलक
७. साहित्यिक शोध के सिध्दांत एवं समस्याएँ -डॉ. देवराज उपाध्याय तथा डॉ. रामगोपाल शर्मा
८. अनुसंधान का स्वरुप -सं डॉ. सावित्री सिन्हा
९. संभावना (शोध विशेषांक) -हिन्दी विभाग, कुरुक्षेत्र वि.वि.कुरुक्षेत्र
१०. शोध-प्रविधि और प्रक्रिया -रावत तथा खंडेलवाल
११. अनुसंधान के मूल तत्व -सं. विश्वनाथ प्रसाद
१२. हिन्दी-शोध -सं. डॉ. भगतसिंह राजूरकर
१३. शोध-प्रक्रिया एवं विवरणिका -डॉ. सरनाम सिंह शर्मा 'अरूण'
१४. शोध, तत्व और दृष्टि -डॉ. रां. खंण्डेलवाल
१५. अनुसंधान और आलोचना -डॉ. नगेन्द्र
१६. हिन्दी अनुशीलन-शोध -विशेषांक
१७. पाठानुसंधान -डॉ. विमलेश कांति
१८. पाठानुसंधान -डॉ. कम्हैया सिंह
१९. साहित्येतिहास : संरचना और स्वरुप -डॉ. सुमन राजे
२०. शैली विज्ञान और आलोचना की नई भूमिका-डॉ. रवीन्द्र श्रीवास्तव
२१. अनुसंधान की प्रविधि और प्रकिया -डॉ. राजेन्द्र मिश्र
२२. अनुसंधानप्रविधि -डॉ. गणेशन
२३. हिन्दी अनुसंधान -डॉ. विजयपाल सिंह
२४. इन्टोड्रकशन टू रिसर्च - टेलवे टी
२५. पाण्डुलिपि विज्ञान - डॉ. सत्येन्द्र
२६. एन इन्ट्रोडक्शन टू टैकसच्युअल क्रिटिसिज्म - कास्त्रो
२७. पाठानुसंधान - डॉ. सियाराम तिवारी
२८. शैली विज्ञान - डॉ. नगेन्द्र
२९. रीति विज्ञान - डॉ. विदयानिवास मिश्र

Scanned with OKEN Scanner

३०.	शैली विज्ञान	- डॉ. सुरेशकुमार
३१.	शैली और शैली विश्लेषण	- डॉ. पाण्डेय शशिभूषण शीतांशु
३२.	पाश्चात्य काव्यचिंतन	- डॉ. करुणाशंकर उपाध्याय
३३.	साहित्य,संस्कृति और सौंदर्य	- डॉ. रतनकुमार पाण्डेय

प्रश्न-पत्र- दो

हिन्दी साहित्य की वैचारिक पृष्ठभूमि

१. विचारधारा और साहित्य का सम्बन्ध ।

२. मध्ययुगीन परिवेश और चिंतन ।

३. वैष्णव धर्मान्दोलन और विभिन्न धर्म साधनाएँ ।

४. आधुनिकता बोध और औद्योगिक संस्कृति ।

५. पुनर्जागरण, पुनरुत्थान और हिन्दी लोक जागरण ।

६. आधुनिक हिन्दी साहित्य से सम्बध्द विशिष्ट मतवाद:

गांधीवाद

मार्क्सवाद

मनोविश्लेषणवाद

अस्तित्ववाद

उत्तर आधुनिकतावाद

७. परंपरा और आधुनिकता

८. राष्ट्रीय स्वातंत्र्य-आंदोलन ।

९. स्वातंत्र्योत्तर हिन्दी साहित्य के प्रमुख विषय : दलित चेतना, स्त्री विमर्श, ग्रामीण एवं महानगर बोध ।

Scanned with OKEN Scanner

संदर्भ ग्रंथ

१. समकालीन विचारधाराएँ और साहित्य -डॉ. राजेन्द्र मिश्र
२. महात्मा गांधी: जीवन और दर्शन -रामलाल विवेक
३. गांधी : विचार और दृष्टि - हरदान हर्ष
४. हिन्दी साहित्य और गांधीवादी चेतना - सं. डॉ. सुशीला गुप्ता
५. मध्ययुगीन हिंदी काव्य में वैष्णव संस्कृति और समाज -नागेन्द्र सिंह
६. आधुनिक भावबोध -डॉ. पी. वी. कृष्णनायर
७. भारतीय नवजागरण : प्रणेता तथा आन्दोलन -गौरीशंकर भट्ट
८. संस्कृति के चार अध्याय -रामधारी सिंह 'दिनकर'
९. मार्क्सवाद -यशपाल
१० मार्क्सवादी साहित्य चिंतन - डॉ.शिवकुमार मिश्र
११ मार्क्सवाद क्या है ? - एमिल बर्न्स
(हिंदी अनुवाद-ओमप्रकाश)
१२ आधुनिक भावबोध की संज्ञा -अमृतराय
१३ आधुनिकता और हिन्दी साहित्य -इन्द्रनाथ मदान
१४ आधुनिकता और आधुनिक बोध -देवेन्द्र इस्सर
१५ आधुनिक हिन्दी कविता का वैचारिक पक्ष -डॉ. रतनकुमार पाण्डेय
१६ विचार और अनुभूति -डॉ. नगेन्द्र
१७ फ्रायड : मनोविज्ञान -अनु.श्री. देवेन्द्र कुमार
१८ आधुनिक भारतीय चिंतन -विश्वनाथ
१९ आधुनिक सामाजिक आंदोलन और आधुनिक हिंदी साहित्य- कृष्णबिहारी मिश्र
२० भारतीय क्रांतिकारी आंदोलन का इतिहास -मन्मथनाथ गुप्त
२१ परंपरा का मूल्याकन - डॉ. रामविलास शर्मा
२२ पाश्चात्य काव्यचिंतन - डॉ. करुणाशंकर उपाध्याय
२३ भारतीय दलित साहित्य : परिप्रेक्ष्य - सं. पुन्नीसिंह
२४ स्त्री और स्त्री विमर्श - क्षमा शर्मा
२५ डत्तर आधुनिक विमर्श - डॉ सुधीश पचौरी

Scanned with OKEN Scanner

प्रश्नपत्र : तीन

साहित्य तथा साहित्येतर विद्याशाखाओं का अंत : संबंध

१. साहित्य और मनोविज्ञान ।

२. साहित्य और इतिहास ।

३. साहित्य और सामाजिक-आर्थिक विज्ञान ।

४. साहित्य और शैलीविज्ञान ।

५. साहित्य और सौंदर्यशास्त्र ।

६. साहित्य तथा धर्म, दर्शन और नीति ।

७. साहित्य और भाषाशास्त्र ।

८. साहित्य और विज्ञान ।

९. साहित्य और तकनीकी प्रौद्योगिकी ।

टिप्पणी : इस प्रश्नपत्र के अन्तर्गत निर्देशित विद्याशाखाओं का स्वरुप स्पष्ट करते हुए उनके परस्पर प्रभाव और संबंध को स्पष्ट किया जाएगा ।

Scanned with OKEN Scanner

संदर्भ ग्रंथ

१. मनोवैज्ञानिक एवं मिथकीय समीक्षा - डॉ. पाण्डेय शशिभूषण शीतांशु
२. आस्था और सौंदर्य - डॉ. रामविलास शर्मा
३. भाषा और समाज - डॉ. रामविलास शर्मा
४. साहित्य और इतिहास दृष्टि - डॉ. मैनेजर पाण्डेय
५. मानवमूल्य और साहित्य - डॉ. धर्मवीर भारती
६. नये साहित्य का सौंदर्यशास्त्र - गजानन माधव मुक्तिबोध
७. भाषा और संवेदना - डॉ. रामस्वरूप चतुर्वेदी
८.. हिंदी का विश्व-संदर्भ - डॉ. करुणाशंकर उपाध्याय
९. आधुनिक कथा साहित्य और मनोविज्ञान - डॉ. देवराज उपाध्याय
१०. स्वतंत्र कलाशास्त्र भाग १-२ - डॉ. कांतिचंद्र पाण्डेय
११ .मार्क्सवादी सौंदर्यशास्त्र - सं. ज्ञानरंजन व कमला प्रसाद पाण्डेय
१२. साहित्येतिहासःसंरचना और स्वरुप - डॉ. सुमन राजे
१३. आधुनिक मनोविज्ञान जिज्ञासा - डॉ. गंगाधर झा
१४. अथातो सौंदर्य जिज्ञासा - डॉ. रमेशकुंतल मेघ
१५. यथार्थवाद - डॉ. शिवकुमार मिश्र
१६. पाश्चात्यकाव्य चिंतन - डॉ. करुणाशंकर उपाध्याय
१७. काव्यशास्त्र - डॉ. सियाराम तिवारी
१८. साहित्य के समाजशास्त्र की भूमिका - डॉ. मैनेजर पाण्डेय
१९. भाषा और प्रौद्योगिकी - डॉ. विनोदकुमार प्रसाद
२०. साहित्य का भाषिक चिंतन - डॉ. रवींद्रनाथ श्रीवास्तव
२१. साहित्य का समाजशास्त्र - डॉ. नगेंद्र
२२. समीक्षा का आधार - सं. डॉ. रामजी तिवारी
२३. साहित्य, संस्कृति और सौन्दर्य - स. डॉ. रतन कुमार पाण्डेय

Scanned with OKEN Scanner

अथवा

वैकल्पिक प्रश्न पत्र तीन

आधुनिक काव्य

१. जयशंकरप्रसाद : कामायनी (श्रद्धा, लज्जा, इडा एवं आनंद सर्ग)

२. सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला' : अनामिका (सरोजस्मृति, राम की शक्तिपूजा, वनबेला, नर्गिस, तोडती पत्थर)

३. सच्चिदानंद हीरानंद वात्स्यायन 'अज्ञेय' : ऑगन के पार द्वार (बनादे चितेरे, झीलका किनारा, सूनी-सी सॉझ एक, एक प्रश्न, असाध्य वीणा)

४. गजानन माधव 'मुक्तिबोध' : चॉद का मुँह टेढा है (भूलगलती, ब्रह्म राक्षस, चॉद का मुँह टेढा है, नक्षत्र खण्ड, अँधेरे में)

५. धूमिल : संसद से सडक तक (अकाल-दर्शन, शान्ति-पाठ, मोचीराम, नक्सलबाडी, भाषा की रात, पटकथा)

६. केदारनाथ सिंह : अकाल में सारस (मातृभाषा, अकाल में सारस, ओ मेरी उदास पृथ्वी, नदी, इंद्रियबोध)

संदर्भ - ग्रंथ

१. जयशंकर प्रसाद - नंददुलारे वाजपेयी

२. प्रसादका काव्य - डॉ. प्रेमशंकर

३. कामायनी - सं. कलयाणमल लोढा

४. कामायनी : एक पुनर्विचार - मुक्तिबोथ

५. कामायनी का पुनर्मूल्यांकन - डॉ. रामस्वरूप चतुर्वेदी

६. कवि निराला - आचार्य नंद दुलारे वाजपेयी

७. क्रांतिकारी कवि निराला - डॉ. बच्चन सिंह

Scanned with OKEN Scanner

८. निराला : एक आत्महंता आस्था - डॉ. दूधनाथ सिंह
९. निराला का अलक्षित अर्थगौरव - डॉ. पाण्डेय शशिभूषण 'शीतांशु'
१०. इतिहास और आलोचना - डॉ. नामवर सिंह
११. अज्ञेय की काव्य तितीर्षा - डॉ. नंदकिशोर आचार्य
१२. कविता की तलाश - डॉ. चंद्रकांत बांद्रिवडेकर
१३. अज्ञेय की कविता : एक मूल्यांकन - डॉ. चंद्रकांत बांदिवडेकर
१४. आधुनिक हिंदी कविता में काव्यचिंतन - डॉ. करुणाशंकर उपाध्याय
१५. आधुनिक कविता का पुनर्पाठ - डॉ. करुणाशंकर उपाध्याय
१६. विविधा - डॉ. करुणाशंकर उपाध्याय
१७. सामाजिक संदर्भो का कोर्ट मार्शल और अन्य निबंध - डॉ. माधव पंडित
१८. कविता के नए प्रतिमान - डॉ. नामवर सिंह
१९. मुक्तिबोध की कविताई - डॉ. अशोक चक्रधर
२०. आधुनिक हिंदी कविता की वैचारिक पृष्ठभूमि - डॉ. रतन कुमार पाण्डेय
२१. मुक्तिबोध : कविता व जीवन विवेक - चंद्रकांत देवताले
२२. निराला और मुक्तिबोध : चार लम्बी कविताए - डॉ. नंदकिशोर नवल
२३. समकालीन बोध और धूमिल का काव्य - डॉ. हुकूमचन्द राजपाल
२४. समकालीन हिंदी कविता की भूमिका - डॉ. विश्वंभरनाथ उपाध्याय
२५. समकालीन हिंदी कविता - डॉ. ए. अरविंदाक्षन
२६. कवि केदारनाथ सिंह - सं. भारत यायावर
२७. साठोत्तरी कविता : विद्रोही प्रतिमान - रतन कुमार पाण्डेय
२८. समकालीन कविता-दृष्टि और बोध - रतन कुमार पाण्डेय

Scanned with OKEN Scanner

अथवा

वैकल्पिक प्रश्नपत्र तीन

हिंदी उपन्यास

१. प्रेमचंद	-	गोदान
२. जैनेंद्र	-	मुक्तिबोध
३. अज्ञेय	-	शेखर : एक जीवनी
४. फणीश्वर नाथ रेणु	-	मैला आँचल
५. श्रीलाल शुक्ल	-	राग दरबारी
६. प्रेम कापडिया	-	मिटटी की सौगंध

संदर्भ ग्रंथ

१. प्रेमचंद और उनका युग	-	डॉ. रामविलास शर्मा
२. प्रेमचंद का पुनर्मूल्यांकन	-	डॉ. शंभूनाथ
३. महाकाव्यीय प्रतिभा के धनी प्रेमचंद	-	डॉ. चंद्रकांत बांदिवडेकर
४. प्रेमचंद का रचना संसार पुनर्मूल्यांकन	-	सं. डॉ. सुशीला गुप्ता
५. जैनेंद्र के उपन्यासःमर्म की तलाश	-	डॉ. चंद्रकांत बांदिवडेकर
६. हिंदी उपन्यास स्थिति' और गति	-	डॉ. चंद्रकांत बांदिवडेकर
७. हिंदी उपन्यासों कें यथार्थवाद	-	डॉ. त्रिभुवननाथ सिंह
८. हिंदी उपन्यास'एक अंतर्यात्रा	-	डॉ. रामदरश मिश्र
९. अज्ञेय की उपन्यास-यात्रा	-	डॉ. ए. अरविंदाक्षन
१०.अज्ञेय का कथासाहित्य	-	ओम प्रभाकर
११. अज्ञेय के उपन्यासों की शिल्पविधि	-	डॉ. सत्यपाल चुघ
१२. हिंदी उपन्यास की विकास	-	मधुरेश

Scanned with OKEN Scanner

१३. निबंधकार जैनेंद्रकुमार - डॉ. विष्णु सरवदे.

१४. आधुनिक परिदृश्यःआंचलिकता और
हिंदी उपन्यास - विद्या सिन्हा

१५. रचनाकार रेणु - पुष्पा जतकर

१६. उपन्यास का पुनर्जन्म - डॉ. परमानंद श्रीवास्तव

१७. उपन्यासःसमय और संवेदना - विजय बहादुर सिंह

१८. रचना के सरोकार - डॉ. विश्वनाथ प्रसाद तिवारी

१९. समकालीन हिंदी कथा लेखिकाएं - डॉ. रामकली सर्राफ

२०. उपन्यास की संरचना - डॉ. गोपाल राय

२१. भारतीय दलित साहित्यःपरिप्रेक्ष्य - सं. पुन्नी सिंह

२२. भारत में दलित आंदोलनःएक मूल्यांकन - कन्हैयालाल चंचरीक

२३. दलित दख़ल - डॉ. श्यौराज सिंह 'बेचैन'

२४. दलित साहित्य (२००० से २००७) - सं. जयप्रकाश कर्दम

२५. दलित साहित्य आंदोलन - डॉ. चंद्रकुमार वरणे

२६. दलित साहित्य का सौंदर्यशास्त्र - ओमप्रकाश वाल्मीकि

२७. दलित साहित्यःअवधारणा और स्वरुप - जगन्नाथ पंडित

२८. हिंदी कथाा साहित्य का पुनर्पाठ - डॉ. करुणाशंकर उपाध्याय

२९. दलित साहित्य में सामाजिक सांस्कृतिक चेतना - जययप्रकाश कर्दम

३०. हिंदी उपन्यासों में दलित वर्ग - कुसुम मेघवाल

३१. सामाजिक संदर्भों का कोर्टमार्शल और अन्य निबंध - डॉ. माधव पंडित.

३२. "अनभै" उपन्यास विशेषांक - सं. रतनकुमार पाण्डेय

सूचना : वैकल्पिक प्रश्नपत्र क्रमांक तीन आधुनिक काव्य अथवा हिंदी उपन्यास में चालीस अंको की ससंदर्भ व्याख्या तथा साठ अंको के समीक्षात्मक प्रश्नो के उत्तर लिखने होंगे

Scanned with OKEN Scanner

प्रश्नपत्र : चार

लघुशोध-प्रबंध

इसके अंतर्गत लगभग टंकित १०० पृष्ठों का लघुशोध-प्रबंध परीक्षणार्थ प्रस्तुत किया जायेगा । विषय का आवंटन विश्वविद्यालय के हिन्दी विभाग द्वारा किया जायेगा । विभाग ही विशेषज्ञ/ निर्देशक की व्यवस्था करेगा । इस लघु शोध-प्रबंध का मूल्यांकन १०० अंको में बाह्म विशेषज्ञ-परीक्षक द्वारा कराया जाना अभीष्ट है ।

प्रश्नपत्र : पॉच

मौखिकी

१०० अंको की यह परीक्षा एक बाह्म और एक आंतारिक परीक्षक/ शोध-निर्देशक द्वारा सम्मिलित रूपसे ली जायेगी । परस्पर सहमति न होने पर दोनों परीक्षक ५०-५० आंको में अपना पृथक-पृथक मूल्यांकन कर सकते हैं । ऐसी स्थिति में परिणाम दोनों के योग से बनाया जाएगा ।

....

—X—